खबर संक्षेप

करंट की चपेट में आया लाइन हेल्पर, अस्पताल में भर्ती

सतना। नागौद क्षेत्र के हरदुआ में परमिट लेकर लाइन में कार्य कर रहे लाइन हेल्पर राकेश कुशवाहा करंट की चपेट में आने से बुरी तरह झुलसा गया।जिसे सरकारी बल्लभ भाई पटेल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि सबस्टेशन में पदस्थ ऑपरेटर द्वारा बिजली बंद करवाकर हेल्पर कार्य कर रहा था तभी ऑपरेटर की लापरवाही से अचानक बिजली चालू कर दी गई जिससे वह करंट की चपेट में आ गया। वहीं मामले में विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि ऑपरेटर के रूप में यहां सचिन पदस्थ है पर सचिन और उसके पिता ब्रजेश पटेल दोनों कार्य करते रहते हैं।

अतिरिक्त परिवहन अधिकारी ने की स्कूल बसों की जांच, फिटनेस निरस्त

सतना। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संजय श्रीवास्तव ने मैहर जिले में सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अनुसार स्कूल बसों की जांच की।इस दौरान 41 बसों को चेक किया गया। जिसमे 01 बस एमपी 19 पी 0676 गुरुकुल एकेडमी स्कूल मैहर की बस सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के अनुसार नही पाई गई।उस बस की फिटनेस निरस्त की गई जबकि 03 बसो में आंशिक कमियां होने से 4000 रुपये का समन शुल्क वसूल किया गया। संस्था द्वारा उन कमियों को अति शीघ्र पूर्ण कर लेने को कहा गया है। साथ ही 01 बस सवारी गाड़ी जिसका रंग रोगन,ठीक न होने से बस क्रमांक एमपी 17पी 0419 की फिटनेस निरस्त की गई है। कुल कार्यवाही 03 बसो से 4000 रुपये राजस्व वसूला गया।

जिला जल एवं स्वच्छता मिषन का पुनर्गठन

सतना। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशानुसार मैहर कलेक्टर रानी बाटड द्वारा जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएम) का पुनर्गठन किया गया है। जारी आदेशानुसार कलेक्टर मैहर को अध्यक्ष,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना को उपाध्यक्ष तथा वनमण्डलाधिकारी वन मण्डल सतना को सदस्य,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,जिला शिक्षा अधिकारी,कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग,जिला कृषि अधिकारी,जिला सूचना और जनसंपर्क अधिकारी,महाप्रबंधक परियोजना क्रियान्वयन इकाई जल निगम सतना को सदस्य तथा कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सतना को सदस्य,सचिव नियुक्त किया गया है। कलेक्टर श्रीमती बाटड ने बताया कि जिला जल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन के लिए प्रत्येक गांव का जायजा लेने के बाद ग्राम कार्य योजना तैयार करना। वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को क्रियाशील घरेलू नल कनेक्शन प्रदाय करने की दृष्टि से जिला कार्य योजना को अंतिम रूप देने का कार्य जिला जल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा किया जायेगा।

जिले में अब तक 107.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

सतना। जिले में इस वर्ष 1 जून से 4 जुलाई 2024 तक 107.8 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 207.1 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 99.4 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 60.9 मि.मी, बिरसिंहपुर में 91 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 49 मि.मी., नागौद में 138.3 मि.मी., जसो (नागौद) में 42 मि.मी. एवं उचेहरा में 175 मि.मी.वर्षा दर्ज की गई है।

सड़कों के मरम्मतीकरण में मनमानी,बाजार में रेस्टोरेशन बना मजाक... बगहा में कमिश्नर ने लगाई फटकार

सतना। सीवर लाइन के लिए खोदी गई सड़क को पुनः ठीक करने के लिए रेस्टोरेशन की अपनायी गई प्रक्रिया संदेह के दायरे में है। लालता चौक,गांधी चौक,फूलचंद चौक समेत पूरे बाजार में रेस्टोरेशन मजाक बन गया है। मनमानी के कारण फिर से सड़क टूट गई है। इस बीच नगर निगम आयुक्त डॉ.शेर सिंह मीना अपने प्रातः भ्रमण के दौरान शहर में सीवर लाइन बिछाये जाने के उपरांत किये जा रहे रेस्टोरेशन कार्य का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कोठी रोड में चल रहे रेस्टोरेशन का कार्य देखा। जब डॉ.मीना जेपी मोड़ बगहा के सामने निरीक्षण कर रहे थे,तब उन्हें रेस्टोरेशन के कार्य में गड़बड़ी दिखाई दी। रेस्टोरेशन किये गये स्थान पर गड्ढे को देखकर नगर निगम आयुक्त ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कि जहां-जहां रेस्टोरेशन का कार्य सही ढंग से नहीं किया गया है,उसे तत्काल ठीक कराया जाये। नगर निगम आयुक्त ने कहा है कि रेस्टोरेशन किये जाने के दौरान वर्षा के पानी की निकासी का विशेष ध्यान दिया जाये। वर्षा का जल रोड में न फैले बल्कि नाली की ओर जाना चाहिये। रेस्टोरेशन कराते समय जल की निकासी की व्यवस्था इस ढंग से की जाये कि वर्षा के जल का भराव न हो। आयुक्त ने भरहुत नगर

में किये गये कार्य का निरीक्षण किया। रीवा रोड में निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां-जहां सीवर लाइन का मेन होल है,उसके पास आवागमन में गड्ढे न रहें। रेस्टोरेशन को तीव्र गति से कराया जाये। नगर निगम से प्राप्त जानकारी के मुताबिक गुरुवार को कोठी रोड,सिटी कोतवाली रोड,टिकुरिया टोला,वार्ड क्र.10 भरहुत नगर,अनुपमा स्कूल एवं वृन्दावन पार्क के पास रेस्टोरेशन का कार्य किया जा रहा है।

कुओं में लीचिंग पाउडर डलवाने दिये निर्देश

नगरनिगम आयुत ने कार्यपालन यंत्री जलप्रदाय को निर्देशित किया है कि वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुये शहर के सभी कुओं में निर्धारित अनुपात में ब्लीचिंग पाउडर एवं कैल्सियम की गोलियां डलवायी जाये ताकि पानी शुद्ध रहे एवं जलजनित बीमारियों परअंकुश लगाया जा सके।डॉ.मीना ने मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम को भी निर्देश दिये हैं कि हैण्डपंप एवं पावर पंप के आसपास के गड्ढे साफ कराये जायें,जिससे वहां पानी का जमाव न हो। गड्ढों में कीटनाशक दवाई का छिड़काव कराया जाये।

सीवर लाइन बिछाने में मनमानी का मामला विधायक ने विधानसभा में उठाया

सतना। विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने नगर निगम द्वारा सीवर लाइन डालने में की जा रही गड़बड़ी और उससे उपजे जनाक्रोश के संबंध में विधानसभा में लिखित ध्यानाकर्षण सूचना दी है। जिसमें कहा गया है कि नगर पालिक निगम के वार्ड क.1 से 45 तक सीवर लाइन प्रोजेक्ट का कार्य चल रहा है। इस अव्यवस्थित खुदाई के कार्य से पूरे शहर में हाहाकर मचा है। सीवर लाईन अत्यन्त निम्न स्तर की एवं बेहद छोटे डायमीटर की डाली जा रही है जो आगे चलकर जगह जगह फूट जायेगी। चेम्बर जो बनाये जा रहे हैं वे अभी ही जगह जगह छूट गये हैं। सीवर लाईन एवं चेम्बरों को बनाने में ढाल वाटर लेवल तक का ध्यान नहीं रखा गया है। सीवर लाईन टेण्डर में खुदाई के बाद होने वाले रेस्टोरेशन वर्क सड़को को वापस उसी स्वरूप में ठीक करने का नियम व प्रावधान तक नहीं रखना एक षडयंत्र है। सतना शहर के निवासियों के साथ इस सीवर लाईन प्रोजेक्ट में खुल्लम-खुल्ला धोखा किया गया है जिसकी जांच राज्य शासन को मुख्य तकनीकी परीक्षक से तत्काल करवा कर प्रकरण को लोकायुक्त/ ई.ओ.डब्लू में पंजीबद्ध करवाकर-निविदा बनाने वालो एवं घटिया स्तर की पाईप लाईन जो अत्यन्त छोटी है कि तकनीकी स्वीकृति देने वालों को तत्काल निलंबित करना चाहिये। पूरे शहर गढढो में तब्दील हो गया है। बरसात में हालात बेकाबू हैं। निगम रेस्टोरेशन के अब टेंडर निकाल रहा है जो बेहद आपत्तिजनक व शहर के करदाता निवासियों के साथ खुल्लम-खुल्ला मजाक है। लोक महत्व के बेहद गंभीर इस विषय पर मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

चित्रकूट के पौराणिक महत्व वाले 9 स्थान रेखांकित

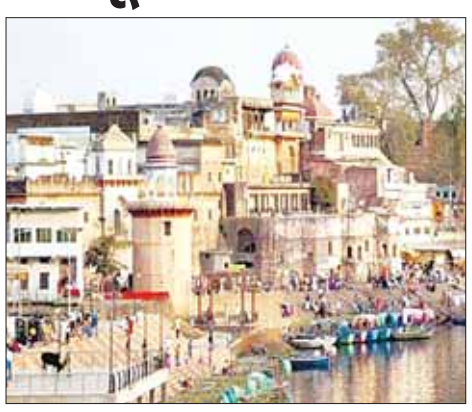

बजट में सतना की बड़ी हिस्सेदारी

सतना। मध्यप्रदेश सरकार के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के पिटारे से राम वन पथ गमन के विकास के लिए निकली सौगात में से सतना की हिस्सेदारी बड़ी होगी। सरकार की तरफ से किए गए 34 करोड़ के बजट प्रावधान में सर्वाधिक राशि सतना के हिस्से में आएगी। सतना जिले के चित्रकूट क्षेत्र में भगवान श्रीराम ने अपने वनवास काल में साढ़े 11 वर्ष का लंबा समय व्यतीत किया था। इस दौरान वे इस अंचल के विभिन्न स्थानों पर गए थे,जिनका पौराणिक और धार्मिक महत्व आज भी है। श्रद्धालु यहां दर्शन पूजन करने पहुंचते हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने भगवान श्रीराम के वन गमन क्षेत्र में बिखरी धरोहरों को संरक्षित करने के लिए रामवन गमन पथ विकास प्रोजेक्ट बनाया है।

34 करोड रुपए का प्रावधान

इस प्रोजेक्ट के लिए इस बार बजट में किए गए 34 करोड़ रुपए के प्रावधान का लाभ चित्रकूट क्षेत्र को मिलेगा। हालांकि यह राशि प्रदेश के 9 जिलों के चिह्नित 23 स्थानों पर खर्च की जानी है। लेकिन इसमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी सतना जिले के चित्रकूट अंचल की होगी। क्योंकि प्रदेश भर में चिह्नित 23 स्थानों में से सर्वाधिक 9 स्थान सतना में हैं जबकि पड़ोसी जिले पन्ना में भी 4 स्थान चिह्नित हैं।

सतना के और क्या ?

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के वनवास काल से जुड़ी कई धरोहरें चित्रकूट क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं। इनमें स्फटिक शिला,सती अनुसुइया आश्रम,सरभंगा,अत्रि मुनि का आश्रम,सुतीक्ष्ण आश्रम, श्रीराम प्रतिज्ञा स्थल सिद्धा पर्वत,गुप्त गोदावरी तथा रक्सेलवा में राम शैल व सीता रसोई जैसे पवित्र स्थान हैं। इसी तरह पन्ना में बृहस्पति कुंड,अग्निजिह्वा तथा अगस्त्य मुनि आश्रम तथा शारंगधर आश्रम हैं।

मोदी जी हमारे यहां रोड़ तो बनवाय देई...

सतना। मध्यप्रदेश में सड़को की हालात किसी से छिपी नहीं है। सरकार लाख दावे करे अपने विकास का लेकिन आज भी ग्रामीण क्षेत्र सड़क,पानी और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं से वंचित है। हाल ही में हुए लोक सभा चुनाव में मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को एक शानदार जीत मिली है। इस जीत के बाद मध्य प्रदेश वासियों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। यही कारण है कि अब लोग सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश के सीधी संसदीय क्षेत्र के एक गांव वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में महिला ये कहती नजर आ रही है कि हमारे यहां रोड तो बनवाय देई,हमने पूरी 29 की 29 सीटे आपको जिताईं,ये रोड देखें,कबाड़ हैं! हमारे यहां के लोग सांसद,विधायक,कलेक्टर तक से मिले,लेकिन कोई नहीं सुनता,मेरा गांव खड्डी खुर्द,जिला सीधी,मध्यप्रदेश है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में महिला ने पीएम मोदी से सड़क बनवाने की गुहार लगाई है। महिला ने कहा कि हमने आपको29 की 29 सीटें जिताकर दी हैं। अब सड़क बनवा दीजिए। महिला वीडियो में ही कहती है कि सड़क को लेकर विधायक,कलेक्टर,सांसद सबसे शिकायत कर चुके हैं,लेकिन अभी सड़क नहीं बन पाई है। बारिश के समय में यहां की हालत बहुत खराब हो जाती है। इसके साथ ही महिला ने सड़क की मौजूदा स्थिति भी वीडियो में दिखाई है। बहरहाल अब देखना होगा कि महिला के वीडियो वायरल होने के बाद सड़क बनाई जाती है या फिर गांव को इंतजार अभी और करना पड़ेगा।

कछुआ गति से किया जा रहा है सीएम राइज स्कूल के भवन का निर्माण

मैहर। भवन न बन पाने से सीएम राइज स्कूल मैहर में अव्यवस्थाओं का आलम है। माँ शारदे की धार्मिक नगरी में सीएम राइज स्कूल खुल चुका है एवं कक्षाएं भी विगत वर्षो से पुराने भवन में प्रारंभ है। शेष भवन को तोड़कर नई बिल्डिंग का निर्माण भी किया जा रहा है किंतु अभी तक बिल्डिंग का निर्माण नही हो पाया है।जिसके कारण काफी परेशानी का सामना छात्र-छात्राओं को करना पड़ रहा है।सत्र प्रारंभ हो गया है किंतु विद्यालय भवन तैयार नहीं हो सका। विद्यालय निर्माण एजेंसी पीआईयू द्वारा पुराना भवन तोड़ते समय सत्र प्रारंभ होने के पूर्व अप्रैल 2024 में एक ब्लाक पूर्ण कर देने की बात कही थी। किंतु आज तक कार्य पूरा नहीं हो पाया। इसके विपरीत पीआईयू के अधिकारियों द्वारा विद्यालय को जर्जर यात्री निवास क्रमांक 3 में शिफ्ट करने हेतु दबाव बनाया जा रहा है। इस संदर्भ में कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी सतना द्वारा दिनांक 3 जुलाई 2024 को संभागीय परियोजना यंत्रीपीआई यू लोक निर्माण विभाग सतना को सीएम राइज स्कूल मैहर का भवन तैयार कर उपलब्ध कराने

विषयक पत्र लिखा जा चुका है। कि नवीन भवन निर्माणधीन है जिसके तहत पूर्व निर्मित सभी कक्षाएं तोड़ी जा चुकी हैं। निर्माण एजेंसी द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि सत्र 2024,25 के प्रारम्भ में एकेडमिक ब्लॉक एवं दक्षिण दिशा का पूरा ब्लॉक तैयार करके पूरा कर दे दिया जाएगा परंतु अभी तक उपलब्ध नहीं किया गया है। प्राचार्य द्वारा ठेकेदार से जब जानकारी मांगी गई तब ठेकेदार ने कहा कि संबंधित ब्लॉक का प्लास्टर आदि का कार्य पूर्ण हो चुका है फिनसिंग तथा खिड़की दरवाजे से संबंधित ड्राइंग प्राप्त न होने के कारण फरवरी 2024 से आगे का कार्य रुका हुआ है। वर्तमान शैक्षिक सत्र 2024-25 अध्यापन कार्य हेतु विद्यालय में कक्ष उपलब्ध नहीं है तथा पुराने भवन के कक्ष भी निर्माण एजेंसी द्वारा गिरा दिए गए हैं। ऐसी स्थिति में कक्षाओं का संचालन करने में कठिनाई हो गई है।सीएम राइज स्कूल मैहर का नवीन भवन निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराकर विद्यालय प्रबंधन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें। ताकि कक्षाओं का नियमित संचालन किया जा सके।

किसी भी हालात में लौटने को नहीं राजी दोनों हाथी

कोतमा में लगातार हो रही चोरी की वारदात

अनूपपुर। जिले में विगत 19 दिन से छत्तीसगढ़ राज्य से आए दो नर हाथियों ने निरंतर अनूपपुर एवं जैतहरी क्षेत्र के जंगलों में दिन में ठहरने बाद रात होते ही आसपास के ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। वहीं खेत एवं बांड़ी में लगे विभिन्न तरह के फलों तथा फसलों को अपना आहार बना रहे हैं। हाथियों को जिले से बाहर किए जाने हेतु प्रशासन एवं वन विभाग द्वारा निरंतर नए-नए तरीके से प्रयोग किया जा रहा है किंतु दोनों हाथी वापस जाने को किसी भी तरह तैयार नजर नहीं आ रहे हैं। विगत रात हाथियों ने दुधमनिया बीट के जंगल से देर रात निकल कर बांका गांव में एक किसान की बांड़ी में लगे कटहल के फलों को अपना आहार बनाया तथा खेत में भरे पानी में लोट-लोट कर नहाते हुए सुबह होने पर केकरपानी गांव से लगे जंगल 358, 357 में विचरण करते हुए देर शाम राजामचान, बधियाटोला होते हुए वर्तमान समय ठेंगरहा एवं गोबरी के बीच विचरण कर रहे हैं। यह दोनों हाथी पश्चिम बंगाल से आए हो हुल्ला पार्टी के द्वारा भगाए जाने के बाद भी निरंतर सभी को चकमा देते हुए लेन्टना की झाड़यिों, बड़े-बड़े नाला, गढार छुप जाते हैं जिन्हें खोजते-खोजते पहुंचने पर पुनः दोनों हाथी दूसरे स्थान पर चले जा रहे हैं। वही विगत तीन दिनों से निरंतर दिन एवं रात में अत्यधिक वर्षा होने के कारण बीच जंगलों में पैदल एवं खेतों में चलना सभी के लिए मुश्किल हो रहा है। गुरुवार की देर शाम यह दोनों हाथी किसी और अपना रुख करेंगे यह देर रात होने पर ही पता चल सकेगा। हाथियों के विचरण पर अनूपपुर वन मंडलाधिकारी सुश्री श्रद्धा पेन्द्रे वनविभाग के अधिकारियों/ कर्मचारियों के साथ निरंतर नजर बनाए हुए हैं। वही ग्रामीणों को हाथियों के पीछे-पीछे न चलने, हाथियों का रास्ता न रोकने,अपने खेतों व घरो के आसपास गैर कानूनी सामग्रियों का उपयोग न किए जाने जैसी सलाह दी जा रही है। विगत दिनों कुछ गांव में कुछ ग्रामीणों द्वारा हाथियों के प्रवेश को रोकने के लिए खेतों एवं घरों के आसपास आपत्तिजनक सामग्रियों का प्रयोग किए जाने की गोपनीय सूचना पर वन विभाग के द्वारा डांग एस्कॉर्ट शहडोल के माध्यम से जगह-जगह गोपनीय तरीके से परीक्षण कराए जाने की कार्यवाही भी की जा रही है ताकि ग्रामीणों की नासमझी से फिर कहीं कोई बड़ी दुर्घटना ना हो सके।

पुलिस की निष्क्रियता पर उठ रहे सवाल

कोतमा। क्षेत्र में बेतहाशा हो रही चोरी की घटनाओं ने आम लोगों का जीना मुहाल कर दिया है आए दिन घरों एवं दुकानों के ताले टूट रहे हैं। बीच बाजार खड़ी दो पहिया वाहन की चोरी सहित धार्मिक स्थल मंदिरों में लगातार हुई चोरी ने नगरवासियों की चिंता बढ़ा दी है। चार दिनों के अंदर दो चोरी की घटनाएं घटित हुई। कपड़ा व्यापारी विपुल गोयनका के यहां गोदाम में हुई लाखों की चोरी की जांच अभी चली रही थी कि रविवार साप्ताहिक बाजार के दिन भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अवधेश ताम्रकार जो सब्जी खरीदने बाजार आए थे आजाद चौक के समीप किसी अज्ञात जेब कतरे द्वारा उनकी जेब को काटते हुए वीवो कंपनी का कीमती मोबाइल चोरी कर फरार हो गया। चोरी की शिकायत भाजपा नेता द्वारा थाना कोतमा में दी गई जिसके बाद पुलिस ने आनन फानन में कुछ संदेहियों को थाने लाकर पूछताछ प्रारंभ कर दी थी। आए दिन हो रही चोरी की घटनाओं से नगर के व्यापारी एवं आम नागरिक भयभीत हैं। पुलिस के द्वारा अभी तक नगर में हुई एक दर्जन से ज्यादा चोरियों का खुलासा करने में नाकाम साबित हो

रही है। वहीं पुलिस के द्वारा दो पहिया वाहन चोरी एवं नगर के व्यापारी विपुल गोयनका के गोदाम में हुई लाखों की चोरी का मामला भी दर्ज नहीं कर पाई है। पूर्व में नगर के वार्ड क्रमांक एक फिल्टर मोहल्ला में 8 जून की रात्रि सील भद्र जोशी की दो पहिया वाहन चोरी हो गई थी जिसकी शिकायत लिखित में उनके द्वारा खाने में दर्ज कराई गई थी लेकिन पुलिस के द्वारा 18 दिन बाद 26 जून को दो पहिया वाहन चोरी का मामला दर्ज किया गया है। साथ ही लगातार नगर से दो पहिया वाहन चोरी की घटना घटित हो रही है। इसके पूर्वी नगर के वार्ड क्रमांक 7 ज्योति पेट्रोल पंप के पीछे निवास करने वाले शिक्षक सुधीर सक्सेना के सूने घर से दो-तीन मार्च की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़ते हुए घर में रखें सोने चांदी के आभूषण सहित लगभग 20 लाख रुपए की चोरी को अंजाम दिया था। इसी तरह नगर के शारदा काली मंदिर में दो बार अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। नगर के बस स्टैंड में स्थित गणेश मंदिर में अज्ञात चोरों के द्वारा मंदिर में लगी घंटी एवं लोहे का गेट चोरी कर ले गए। नगर के पंचायती मंदिर के पास अशोक जैन के कपड़ा दुकान में छप्पर तोड़ते हुए अज्ञात चोरों ने दो बार चोरी की वारदात को अंजाम दिया। नगर के वार्ड क्रमांक 10 में पान दुकान का ताला तोड़ते हुए दुकान में रखें गैस सिलेंडर चूल्हा सहित दुकान का पूरा सामान अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। लेकिन पुलिस के द्वारा आज तक चोरों का पता लगाने में नाकाम साबित हुई। नगर में आए दिन हो रही चोरी की घटना को लेकर नागरिकों में रोष व्याप्त है। व्यापारियों एवं नागरिकों का कहना है कि यदि पुलिस के द्वारा नगर में हो रही चोरियों का खुलासा नहीं कर पाई तो हम लोग पुलिस अधीक्षक एवं मध्यप्रदेश के मंत्री दिलीप जायसवाल को ज्ञापन देते हुए आंदोलन की राह अपनाने को मजबूर हो जाएंगे।

संपत्ति कर जमा नहीं करने पर मैरिज गार्डन में नगर निगम ने लगाया ताला

सतना। निगम प्रशासन द्वारा संपत्ति कर एवं अन्य संलग्न करों के बकायादारों के बकाया कर की अद्यतन राशि वसूल किये जाने के लिये आयुत डॉ.शेर सिंह मीना के आदेश पर अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 के अंतर्गत धारा15 के तहत विधि सम्मत कार्यवाही की जा रही है।नगरनिगम के जनसंपर्क अधिकारी अनिल श्रीवास्तव के अनुसार उक्त कार्यवाही सहायक आयुक्त एच एम श्रीवास्तव के निर्देशानुसार राजस्व अधिकारियों की टीम द्वारा की गयी। बताया गया है कि वार्ड क्र.1 स्थित संस्कार मैरिज गार्डन के संचालक विनोद कुमार तिवारी पर सन 2020 से अभी तक का संपत्ति कर एवं संलग्न कर 2 लाख 52 हजार 44 रुपये बकाया था। जिसकी वसूली हेतु डिमाण्ड नोटिस दिये जाने पर इनके द्वारा राशि जमा नहीं करायी गयी।अतएव नगरनिगम आयुक्त के आदेश पर मैरिज गार्डन में ताला बंदी की कार्यवाही की गयी। इस कार्यवाही में सहायक राजस्व अधिकारी दिनेश त्रिपाठी,प्रभारी राजस्व निरीक्षक रमेश मिश्रा,राजस्व निरीक्षक रजनीश मिश्रा,उप राजस्व निरीक्षक अनुराग सिंह,नागेश चतुर्वेदी एवं सहायक राजस्व निरीक्षक राजकिशोर कुशवाहा,शुभम सेन,अनुपम पाण्डेय एवं संपत्ति कर शाखा के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सहायक आयुक्त एचएम श्रीवास्तव ने नगर निगम के सभी मैरिज गार्डन संचालकों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के बकायादारों से अनुरोध किया है कि वे अपने बकाया करों की राशि तत्काल निगम कार्यालय पहुंच कर जमा करायें अन्यथा नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जायेगी।

खबर संक्षेप

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 9 जुलाई को

पन्ना। जिला पंचायत की सामान्य सभा एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आगामी 9 जुलाई को होगी। जिला पंचायत सभाकक्ष में दोपहर 2 बजे से सामान्य सभा की बैठक में पीडब्ल्यूडी, अटल भू जल, जल जीवन मिशन एवं खनिज विभाग की समीक्षा होगी। इसी तरह 4 बजे से आयोजित सामान्य प्रशासन समिति की बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा सहित अन्य निर्धारित एजेण्डा पर चर्चा की जाएगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संघ प्रिय द्वारा बैठक में संबंधित जनप्रतिनिधियों से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है। साथ ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को जानकारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

जन सुनवाई में ध्यानपूर्वक सुनें एवं निराकरण के लिए सकारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें - कलेक्टर

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने प्रत्येक मंगलवार को सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बेहतर क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जिला स्तर सहित अनुविभाग, तहसील, थाना, विकासखण्ड और ग्राम पंचायत स्तर के समस्त शासकीय कार्यालयों में जनसुनवाई कार्यक्रम के लिए व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण किया जाए। इस संबंध में निर्देशित किया गया है कि कार्यालय में जनसुनवाई का स्थान निर्धारित कर सहज दृश्य स्थल पर जनसुनवाई के लिए समय सूचित करने संबंधी बोर्ड लगाएं और जनसुनवाई व्यवस्था का प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित करें। जनसुनवाई में पहुंचे आम नागरिकों से शिष्ट एवं विनम्र व्यवहार कर उनकी शिकायतों और बातों को ध्यानपूर्वक सुनें एवं निराकरण के लिए सकारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें। किन्हीं कारणोंवश नियमों के अधीन शिकायत या मांग की पूर्ति नहीं होने पर कारण सहित सूचित भी किया जाए। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाले आवेदन व शिकायतों की मॉनीटरिंग और निराकरण की व्यवस्था सुनिश्चित कर प्रत्येक कार्यालय प्रमुख को जनसुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों का निर्धारित प्रारूप में पंजी संधारित करने के लिए भी निर्देशित किया गया है। जिला कलेक्टर द्वारा सभी कार्यालय प्रमुखों को अनिवार्य रूप से जनसुनवाई के दौरान कार्यालय में उपस्थित रहकर आम नागरिकों से मिलने तथा आवेदनों और शिकायतों का यथासंभव जनसुनवाई दिवस पर निराकरण के निर्देश दिए गए हैं। अधिक समय की आवश्यकता के मद्देनजर आवश्यक न्यूनतम अवधि में शिकायत व आवेदन का निराकरण करने के लिए कहा है। सभी कार्यालयों में जनसुनवाई के दौरान आने वाले नागरिकों के बैठने, पेयजल, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं और अधीनस्थ कार्यालयों में भी जरूरी व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देशित कर सभी जिला अधिकारियों को अपने कार्यालय में निर्धारित समय पर जनसुनवाई कर अधीनस्थ विकासखण्ड, तहसील और ग्राम पंचायत स्तरीय कार्यालयों में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई का निरंतर पर्यवेक्षण करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

मानसून पर्यटन को लेकर पन्ना में कई प्राचीन स्थल तथा झरने पर्यटकों का बन सकते है आकर्षण का केन्द्र

पर्यटन से ही विकास व रोजगार के खुलेंगे द्वार

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व में टाइगर देखने व दिखाने वाले तथा इससे जुड़े हजारों लोगों को रोजगार तय होता है मात्र एक टाइगर की एक झलक पाने को लेकर जिले में पर्यटन की संभावनायें तथा भौगोलिक दृष्टिकोण से प्राकृति ने जो समृद्धता प्रदान की है वह अलग ही देखने में मिलती है अन्य जिलों की तुलना में पन्ना पर्यटन को लेकर विकास की दिशा तय करने के लिये माना जा रहा है। यहां मानसून पर्यटन को लेकर तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के कार्यकाल से ही योजना चर्चा में रही पर आज तक पटल पर क्रियान्वयन के रूप में तय नहीं हो सकी। सबसे बड़ी जरूरत जहां आज अन्य जिलों से हटकर पन्ना में विकास को लेकर जो उम्मीदें सजोई गई थी वह आज भी अधूरी है उदाहरण को लेकर पर्यटन से किस तरह से रोजगार तथा विकास दोनों तय होते है वह पन्ना टाइगर रिजर्व तथा आस-पास बने रिसॉर्टों से ही जाना जा सकता है। एक टाइगर की झलक पाने को लेकर जिस तरह से टाइगर रिजर्व में रोजगार की संभावनायें जो मानी जाती थी वह आज सपने साकार करने को लेकर साबित हो रही है। एक टाइगर से हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है। वहीं पर्यटन से पर्यटकों के माध्यम से जिले को लाभ के हालात अलग ही तय हो रहे है। एक टाइगर की झलक पाने को लेकर पर्यटक दूर-दूर से देशी व विदेशी पन्ना टाइगर रिजर्व में पहुंचते है जिसमें जिप्सी वाहन होटल व रिसॉर्ट तथा गाइड वहीं इससे जुड़े हुये लोग जो रोजी-रोटी के साथ-साथ रोजगार को लेकर अपने जीवन को आज नई दिशा दे रहे है। पन्ना जिले की केन नदी जो मड़ला गांव के पास विकास को लेकर यहां अगल-बगल यहां पन्ना हो या छतरपुर जिले की सीमा में टाइगर रिजर्व के कारण अलग ही जमीन की कीमत से लेकर पर्यटन से जुड़े हुये व्यवसाय तथा रिसॉर्टों से बदलाव विकास का बयां कर रहा है। इसी तरह मानसून पर्यटन की शुरूवात होगी तो निश्चित ही इसके विकास में हटकर यह जिला साबित होगा। पन्ना में कई प्राचीन समय से इतिहास को बयां कर रहे धार्मिक स्थल के रूप में प्राचीन मंदिर तथा यहां के झरने जो पहाड़ों से नदियों में प्रवाहित होकर पहुंचते है पर इनकी सुंदरता मानसून या बारिस के समय अलग ही जानी जाती है तभी तो बृहस्पित कुण्ड में जो नये आयाम से भावी सोच के साथ ग्लास ब्रिज के माध्यम से पर्यटकों को झरने के दीदार कराये जाने को लेकर कार्य अंजाम देने के लिये प्रयास जारी है वहीं पन्ना जिले में कई ऐसे पहाड़ों में सौंदर्य को लेकर बारिस के समय अन्य झरने भी अपनी छटा बिखेरते है साथ ही प्राचीन धरोहरें स्टेट के जिले में अपने प्राचीन समय की कला को लेकर अपनी भव्यता बयां करते है वहीं पन्ना जिला मुख्यालय में स्वयं ही महेन्द्र भवन तथा यहां का राज निवास पैलेस जो अपनी स्टेट के समय की कला कारीगरी तथा भव्यता पर्यटकों के लिये आकर्षण का केन्द्र मानी जाती है। पर्यटन से ही पन्ना के विकास को अलग ही अन्य जिलों की तुलना में विकास की दिशा तय करने में म.प्र. के साथ-साथ देश-दुनिया में पन्ना को हीरे की तरह पर्यटन के क्षेत्र में भी चमक बिखरेने को लेकर जाना जा सकता है। वहीं रोजगार के अवसर विकास के साथ-साथ पर्यटन की संभावनाओं से ही संभव हो सकते है जिस तरह से पन्ना टाइगर रिजर्व में टाइगर की एक झलक पाने से आज हजारों लोगों को रोजगार मिलने की दिशा तय हो रही है इसी तरह मानसून पर्यटन व यहां की पर्यटन की संभावनाओं से पन्ना विकास के कई आयाम तय करने को लेकर दुनिया में जाना जायेगा।

नवीन पोर्टल पर जन्म-मृत्यु के ऑनलाइन पंजीयन के संबंध में हुआ प्रशिक्षण

पन्ना। जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन अधिनियम 2023 द्वारा 11 अगस्त 2023 से प्रत्येक बच्चे का जन्म प्रमाण-पत्र अनिवार्य होगा जो कि बच्चे के स्कूल में प्रवेश, आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, ड्रायविंग लाईसेंस इत्यादि के लिये आवश्यक होगा। जन्म प्रमाण-पत्र जन्म स्थान एवं जन्म तारीख का वैधानिक दस्तावेज होगा। संशोधित अधिनियम-2023 के आधार पर भारत के महारजिस्ट्रार तथा म.प्र. के मुख्य रजिस्ट्रार के निर्देशन में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिये नवीन पोर्टल रीवैम्प्ड विकसित किया गया है। इस पोर्टल से आमजन सीधे ऑनलाइन आवेदन कर प्रमाण पत्र अपने ई-मेल पर प्राप्त कर सकेंगे। यह पोर्टल यूजर फ्रेंडली और बहुत सरल है। पोर्टल पर आवेदक द्वारा दिया गया डाटा पोर्टल पर सुरक्षित भी रहेगा। नवीन पोर्टल संचालन के संबंध में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष पन्ना में जनगणना निदेशालय भोपाल से आये प्रशिक्षक प्रेमा नायर और अभिषेक सिंह ठाकुर द्वारा जिले के रजिस्ट्रारों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान जिला योजना अधिकारी अल्का रजनी दास एवं सहायक सांख्यिकी अधिकारी राजीव पटेल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष बीडी. शर्मा व पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह के प्रयास से अमानगंज से पवई रेल लाइन की स्वीकृत

पवई। प्रदेश में सबसे अधिक पिछड़ा पन्ना जिला की पवई तहसील आजादी के 75 वर्षो के बाद भी संसाधनो से विहीन है। जबकि पवई विधान सभा क्षेत्र खजुराहो लोक सभा अन्तर्गत आता है। खजुराहो सांसद आदरणीय विष्णु दत्त शर्मा जी द्वारा एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह जी पूर्व मंत्री द्वारा अमानगंज से पवई नवीन रेलवे लाइन स्वीकृत कराई गई है बहुत-बहुत बधाई शुभकामनाएं धन्यवाद आभार पवई में रेलवे लाइन स्वीकृत करने की। बेरोजगारी एवं गरीबी के चलते रोजगार की तलाश मे हजारों लोग बडे शहरो की ओर पलायन करते है। काफी समय से पवई के समाज सेवी प्रहलाद बेहरे सहित क्षेत्र के लोगो द्वारा रेल लाइन के लिए

आवाज उठाई जा रही है कई बार रेल मंत्री के नाम एस डी एम से लेकर मुख्यमंत्री सासंद विधायक को ज्ञापन पहलाद बेहरे द्वारा दिया जाता था। कुछ दिनो से एक पत्र रेल्वे मंत्रालय के जबलपुर मंडल से जारी हुआ नवीन रेल लाइन स्वीकृत पत्र सोसल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमे अमानगंज से पवई 23 किलो मीटर रेल लाइन की स्वीकृत के साथ 57 लाख 50 हजार की राशि स्वीकृत की गई है अमानगंज से पवई रेल लाइन की स्वीकृत मिल चुकी है। यदि सही है तो सर्वे का काम कब तक शुरू होगा यह बात पवई अमानगंज के लोगो मे चर्चा का विषय बनी हुई है। पवई रेलवे स्टेशन का नाम मां कलेही रेलवे स्टेशन पवई जिला पन्ना मध्य प्रदेश किया जाए हनुमान भाटे के श्री हनुमान जी भगवान की जय हो कलेही माता की कृपा से आप सब पर बनी रहे।

उप जेल पवई में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन, किया वृक्षारोपण

पन्ना। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भावना साधौ के मार्गदर्शन एवं जिला न्यायाधीश व प्राधिकरण के सचिव हरप्रसाद बंशकार की अध्यक्षता में आज उप जेल पवई में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पालन में उप जेल द्वारा की जा रही कार्यवाही के संबंध में जानकारी ली गई। साथ ही जेल प्रबंधन को बंदियों के जमानत आदेश प्राप्त होने के सात दिवस में बंदी की रिहाई नहीं होने पर अविलंब जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को सूचित करने के बारे में अवगत कराया गया। इस दौरान महिलाओं की गिरफ्तारी से संबंधित प्रावधानों की भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके अलावा बंदियों को जेल में अनुशासन बनाए रखने और स्वयं के व्यवहार में आवश्यक सुधार लाने के लिए प्रेरित किया गया। बंदियों को अधिवक्ता की आवश्यकता पर जेल प्रशासन के माध्यम से अपना आवेदन पत्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को प्रेषित करने संबंधी जानकारी भी दी गई। बताया गया कि प्राधिकरण द्वारा इस संबंध में प्राप्त आवेदन पत्रों पर त्वरित कार्यवाही कर जरूरतमंद को पैनल से निःशुल्क अधिवक्ता

उपलब्ध कराया जाता है। जिला विधिक सहायता अधिकारी देवेन्द्र सिंह परस्ते ने उपस्थित बंदियों को प्ली बारगेनिंग के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी प्रदान कर जेल लोक अदालत के माध्यम से राजीनामा योग्य मामलों में समझौता कर सुलह की सलाह दी। बंदियों के विधिक अधिकार और कर्त्तव्य भी बताए। इसके अतिरिक्त लोक अदालत, मध्यस्थता और बंदियों के अधिकारों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। शिविर के समापन पर सहायक जेल अधीक्षक मुनीन्द्र मिश्रा द्वारा आभार प्रदर्शन कर बंदियों को शिविर से प्राप्त विधिक जानकारी को अमल में लाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। शिविर उपरांत जेल परिसर में पंच-ज अभियान के तहत जामुन, अमरूद, शीशम, बबूल, आंवला इत्यादि के लगभग 50 पौधे रोपित किए गए।

नगर पालिकाओं एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का प्रशिक्षण संपन्न

पन्ना। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के निर्वाचन के लिए फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का प्रशिक्षण गुरूवार को जिले के निर्धारित स्थानों पर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदार सहित नियुक्त प्राधिकृत कर्मचारी व अन्य संबंधित कर्मचारी भी उपस्थित थे। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण में बताया गया कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 12 सितंबर 2024 को होगा। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों का युक्तियुक्तकरण का प्रस्ताव तैयार कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को 4 जुलाई तक प्रदान किया जाना था। फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 19 जुलाई को किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची पर दावे-आपत्ति 19 जुलाई से 2 अगस्त तक लिए जाएंगे। प्राप्त दावे-आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 9 अगस्त है। फोटोयुक्त

अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 12 सितंबर 2024 को किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया नियमानुसार निर्धारित समय में पूरी करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

पोषण पुनर्वास केंद्र में कुपोषित मनीष को मिला पुनर्जीवन

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में कुपोषण की समस्या आज भी गंभीर बनी हुई है। भीषण गरीबी से जूझ रहे आदिवासी परिवारों के मासूम कुपोषण के सर्वाधिक शिकार हैं। कुपोषण को ख़त्म करने के लिए सरकारी प्रयासों के बावजूद अभी अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी । दूरदराज के आदिवासी बहुल इलाकों में मासूम बच्चों के साथ-साथ महिलाएं भी कुपोषण की समस्या से जूझ रही हैं। पन्ना जिला मुख्यालय से महज 7 किलोमीटर दूर स्थित मनौर गांव का गुडियाना टोला कुपोषण और सिलिकोसिस पीड़तिों के लिए जाना जाता है। इस गांव में कई लोगों की मौत सिलिकोसिस से हुई है। तकरीबन ढाई सौ घरों वाली इस आदिवासी बस्ती में 30 से अधिक विधवा महिलाएं हैं। भीषण गरीबी, कुपोषण व बेरोजगारी इस गांव की सबसे बड़ी समस्या है। मनौर गांव वर्षीय आदिवासी बालक मनीष भी गंभीर रूप से कुपोषित था, जिसे पिछले दिनों पोषण पुनर्वास केंद्र पन्ना में भर्ती कराया गया। पोषण पुनर्वास केंद्र पन्ना में पदस्थ रश्मि त्रिपाठी ने बताया कि जब इस बच्चे को भर्ती करने के लिए पन्ना लाया गया, उस समय वह गंभीर रूप से कुपोषित था। इसका वजन महज 4 किग्रा के आसपास था, लेकिन पोषण पुनर्वास केंद्र में समुचित

देखरेख और इलाज होने पर 22 दिनों में ही इस बालक की हालत में सकारात्मक सुधार हुआ और वजन 4 किग्रा से बढ़कर 6.5 किग्रा हो गया। इस बालक की मां ने बताया कि उन्हें बिलकुल भी उम्मीद नहीं थी कि हमारा यह बच्चा बीमारी (कुपोषण) से उबर पायेगा। हम लोग पूरी तरह से उम्मीद खो चुके थे, लेकिन पन्ना में इलाज होने और पौष्टिक खाना मिलने से मनीष अब अच्छा हो गया है। कुपोषण की यह समस्या सिर्फ मनौर गांव में हो ऐसा नहीं है, यहाँ आसपास जितने भी आदिवासी गांव हैं वहां कुपोषित बच्चे बड़ी तादाद में हैं। रश्मि त्रिपाठी ने बताया कि मनौर के अलावा पन्ना से लगे बड़ौर, मनकी, जरधोवा व सुनहरा आदि ग्रामों से भी कुपोषित बच्चे पोषण पुनर्वास केंद्र में आते हैं। देवेंद्रनगर क्षेत्र के आदिवासी बहुल ग्रामों में भी कुपोषण की समस्या गंभीर है। आपने बताया कि पोषण पुनर्वास केंद्र पन्ना में भर्ती कराए गए गंभीर कुपोषित बच्चे मनीष आदिवासी को पुनर्जीवन मिला है। अब मनीष पूरी तरह से स्वस्थ है और उसका वजन बढ़ने लगा है। मनीष की मां जयंती पोषण पुनर्वास केंद्र पन्ना में हुए इलाज के उपरांत बालक मनीष के पूरी तरह स्वस्थ होने पर बेहद खुश है। जो बालक कुछ दिनों पूर्व तक अत्यधिक कमजोरी के कारण लाचार और बेबस पड़ा रहता था, अब वह खेलने लगा है तथा उसका वजन भी बढ़ रहा है। रश्मि त्रिपाठी बताती हैं कि मनौर गांव के बालक मनीष आदिवासी को अप्रैल माह में पन्ना पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया गया था, उस समय उसका वजन मात्र 4 किलो था। सरकार के मापदंड और पोषण पुनर्वास केंद्र की व्यवस्थाओं के अनुसार उसे डॉक्टरी इलाज और पोषित भोजन दिया गया। जिससे बालक का वजन बढ़ने लगा, अब वह पूरी तरह तंदुरुस्त है। मनीष आदिवासी का वजन बढ़ाकर 4 किलो से साढ़े 6.5 किलो हो गया है। आपने ने बताया कि जब पहली बार पोषण पुनर्वास केंद्र में मनीष को लाया गया, तब कुपोषित मनीष आदिवासी के शरीर में मात्र एक ग्राम हीमोग्लोबिन बचा था। रश्मि त्रिपाठी ने बताया कि डेढ़ वर्षीय मनीष आदिवासी को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पोषण पुनर्वास केंद्र लेकर आई थी, साथ में उसकी मां जयंती आदिवासी थी। बालक का पिता आलू गोड़ मजदूरी करने दिल्ली गया हुआ था, जब उसे खबर मिली कि उनका बच्चा मनीष स्वस्थ होकर खेलने लगा है तो पिता अपने को रोक नहीं पाया और वह दिल्ली से बच्चे को देखने मनौर पहुँच गया। सिविल सर्जन डॉक्टर आलोक गुप्ता ने बताया कि मनीष की तरह अक्सर कुपोषित बच्चे पोषण पुनर्वास केंद्र में आते हैं, जिन्हें हम पोषित भोजन और इलाज देते हैं। यहाँ आने वाले अधिकांश कुपोषित बच्चे तंदुरुस्त होते हैं, मनीष आदिवासी एक उदाहरण है जिसकी बीमारी दूर हुई है और वजन तेजी से बढा है। डॉ. गुप्ता ने अपील की है कि बरसात के सीजन में बीमारियों के फैलने का खतरा रहता है, लिहाजा मातायें अपने बच्चों को साफ सुथरा रखें और गंदगी से बचायें। यदि कोई भी दिक्कत होती है तो अस्पताल लाकर डॉक्टरी इलाज अवश्य करायें।

खबर संक्षेप

5 हजार के फरार इनामी बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा

छतरपुर। बीते दिनांक 20 जून को थाना गढ़ी मलहरा क्षेत्र के ग्राम गुरसारी में विवाद व मारपीट होने की सूचना प्राप्त हुई थी। पीड़ित को गांव के लोगों द्वारा गंभीर चोटे पहुंचाकर हत्या करने का प्रयास किया गया था। पीड़ित की रिपोर्ट के आधार पर थाना गढ़ी मलहरा में मारपीट, हत्या का प्रयास एवं जान से मारने संबंधी धाराओं में नामजद आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया था। पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में थाना प्रभारी गढ़ीमलहरा धर्मेंद्र कुमार सिंह एवं पुलिस टीम द्वारा हत्या के प्रयास से संबंधित पांच हजार के इनामी दो आरोपी गजराज यादव एवं चरण यादव निवासी ग्राम गुरसारी थाना गढ़ी मलहरा को गिरफ्तार कर अभिरक्षा में लिया गया। अभियुक्तों को न्यायालय पेशकर जेल भेजा गया है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गढ़ीमलहरा निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सिंह उप निरीक्षक अजीत टोप्पो, सहायक उप निरीक्षक संतोष सिंह, प्रधान आरक्षक शैलेंद्र सिंह, जनक सिंह, प्रदीप तिवारी, आरक्षक दशरथ की मुख्य भूमिका रही। चंद्रपुरा औद्योगिक क्षेत्र की जांच के लिए टीम गठित होगी

संयुक्त संचालक ने संभाला उद्योग विभाग के महाप्रबंधक का प्रभार

छतरपुर। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र छतरपुर के महाप्रबंधक का प्रभार बुधवार शाम संयुक्त संचालक राजशेखर पांडे ने संभाल लिया। चंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के भूमि आवंटन में मनमानी पर महाप्रबंधक आशुतोष गुप्ता और प्रभारी प्रबंधक श्रीप्रकाश मिश्रा को दो दिन पहले सस्पेंड कर दिया था। श्री पांडे ने बताया कि चंद्रपुरा औद्योगिक क्षेत्र की जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की टीम गठित कर सूक्ष्मता से जांच करने का प्रस्ताव भेजा जा रहा है। इसी मामले में मनमानी के चलते दोनों अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है।

7 दिवस में नहीं हुई मांगे पूरी तो डाल देंगे विश्वविद्यालय में तालाः नीतेश तिवारी

छतरपुर। शिवसेना की छात्र इकाई भारतीय विद्यार्थी सेना द्वारा महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा परिणाम में हुई त्रुटी एवं तानाशाही रवैया को लेकर घेराव किया गया।
विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है जिसको लेकर विश्वविद्यालय का घेराव कर ज्ञापन सौपा गया है। ज्ञापन में बताया है कि महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा जो परीक्षा परिणाम जारी किया गया हैं उसमें लगभग 20 प्रतिशत छात्रों को उत्तीर्ण किया गया जबकि लगभग 80 प्रतिशत छात्रों को या तो फ़ैल कर दिया जाता हैं या एटीकेटी दे दी जाती हैं जो छात्र फ़ैल होने या एटीकेटी आने क़े बाद छात्र आरटीआई लगाकर कॉपी दी जाती हैं। विश्वविद्यालय द्वारा की गई गलतियां जैसे त्रुटि पूर्ण तरीके से कॉपी चैक करना, वस्तुनिष्ठ प्रश्नों क़े उत्तर सही होने पर भी अंक नहीं देना, कई प्रश्न सही होने पर भी कम नंबर देना इस प्रकार से कई त्रुटियां पाई जाती हैं। विश्वविद्यालय द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में उपस्थित छात्रों को भी अनुपस्थित कर फ़ैल कर दिया जाता है।

अवैध शराब की बिक्री पर नहीं लग पा रहा अंकुश टी आई मोरवा की मिलीभगत...?

सिगरौली। एक तरफ जहां मध्य प्रदेश शासन व भारत सरकार के द्वारा नशे के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है, वहीं नियमों की ताक पर थाना प्रभारी मोरवा के सरंक्षण में खुलेआम शराब सहित अन्य मादक पदार्थों की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है, ऐसे में सवाल ये उठता है की क्या थाना प्रभारी इतने संलिप्त हैं गोरख धंधे में, कि जरा सा भी आम नागरिक व समाज का ध्यान नही है। या फिर जानबूझ ईमानदारी का चोला ओढ़कर मलाई काट रहे हैं?गली,चौराहों की चर्चा बने हैं थाना प्रभारी मोरवा।कोयला कबाड़ चोरों का भी बोलबाला जोरों पर इनसे भी मिलीभगत से काट रहे हैं चांदी।

बैंक बीते कुछ माह बिना प्रशासक के ही सभी प्रकार के कामकाज निपटाता रहा

मनोज कुमार सक्सेना ने सद्भाव नागरिक सहकारी बैंक सीईओ के पद पर किया ज्वाइन

छतरपुर

सद्भाव नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित छतरपुर के बैंक सीईओ मनोज कुमार सक्सेना और प्रशासक के पद पर डीआर सहकारिता डॉक्टर अरुण मसराम ने बीते 25 जून को बैंक में ज्वाइन कर लिया। बीते कुछ दिनों पहले सद्भाव नागरिक सहकारिता बैंक में प्रशासक के पद पर जेआर सागर ने संजय बुधौलिया को नियुक्त किया था, जो कि सहकारिता ऑफिस में वरिष्ठ निरीक्षक के पद पर पदस्थ हैं, लेकिन आदेश में पुनः परिवर्तन होने के बाद जेआर सागर ने डीआर सहकारिता छतरपुर डॉक्टर अरुण मसराम को प्रशासक के पद पर नियुक्त किया है। बीते साल 10 मई 2023 में वित्तीय लेनदेन के आरोप में बैंक सीई ओ मनोज कुमार सक्सेना को निलंबित कर चार्ज वरिष्ठ लिपिक राकेश दीक्षित को सौंपा गया था। जिसमे तत्कालीन बैंक सीईओ मनोज कुमार सक्सेना को 25 अक्टूबर 2023 को हाई कोर्ट से स्टे मिल गया था। लेकिन अपात्र संचालक मंडल अध्यक्ष श्रीमती बाजपेई द्वारा श्री सक्सेना को ज्वाइन नहीं कराया गया। जिसमे ज्वानिंग को लेकर कई बार अपर कलेक्टर ने पत्राचार उपायुक्त सहकारिता छतरपुर, जेआर सागर सहकारिता को किया गया, लेकिन अपने रसूख के चलते संचालक मंडल अध्यक्ष ने ज्वाइन नहीं कराया था। सभी प्रकार की जांच में श्री सक्सेना निर्दोष होने पर जेआर

सागर ने सीईओ के पद पर बैंक में पुनः 25 जून को मनोज कुमार सक्सेना को ज्वाइन कराया।

क्या था पूरा मामला -

बीते साल 2023 में सद्भाव नागरिक सहकारी बैंक की ऑडिट रिपोर्ट में आरबीआई ने संचालक मंडल के अध्यक्ष सहित 12 सदस्यों मे से 7 सदस्यों को अपात्र घोषित किया था। जिसकी शिकायत लिखित में संयुक्त पंजीयक सहकारिता सागर में की गई थी। संयुक्त पंजीयक ने जांच के लिए 3 लोगों की कमेटी गठित की थी। नियुक्त जांच दल ने भी संचालक मंडल के 12 में से लगभग 9 सदस्यों को अपात्र होने का उल्लेख जांच रिपोर्ट में किया था। जांच कमेटी ने जांच पूर्ण होने के बाद संयुक्त पंजीयक सागर को सौंपी थी। जिसमें संयुक्त पंजीयक डॉक्टर शिवेंद्र देव पांडेय ने तत्काल संचालक मंडल को भंग कर प्रशासक के तौर पर एनएस चौहान एआर सहकारिता छतरपुर को नियुक्त किया था। जिसमें संचालक मंडल अध्यक्ष ने हाईकोर्ट की शरण ली थी कि संचालक मंडल को गलत तरीके से डॉक्टर शिवेंद्र देव पांडेय संयुक्त पंजीयक सागर द्वारा भंग किया गया है। जिसमें संचालक मंडल को हाईकोर्ट से स्टे मिल गया था। जिसमे अध्यक्ष वाजपेई सहित सदस्यों ने सद्भावना नागरिक सहकारी बैंक में अपने-अपने पद पर ज्वाइन कर लिया था। संचालक मंडल अध्यक्ष सहित 7 सदस्यों ने 14 मार्च 2024 को सहकारिता ऑफिस छतरपुर में अपने- अपने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा सौंपे गए थे। जिसे बैंक के संचालक मंडल की बैठक दिनांक 7 मार्च 2024 में प्रस्ताव क्रमांक 07 पर रखा जाकर स्वीकृत किया गया था। उक्त स्थिति में बैंक में फोरम का अभाव हो गया था। जिसके चलते उपायुक्त सहकारिता छतरपुर ने प्रशासक की नियुक्ति के लिए संयुक्त पंजीयक सागर को सहपत्रों सहित पत्राचार किया था। जिसमें लोकसभा चुनाव के चलते आचार संहिता का उल्लेख करते हुए प्रशासक की नियुक्ति नहीं की गई थी, और बैंक बीते कुछ माह बिना प्रशासक के ही सभी प्रकार के कामकाज निपटाता रहा। बीते 4 जून 2024 को चुनाव की घोषणा हुई और आचार संहिता हटते ही सद्भाव नागरिक सहकारी बैंक में प्रशासक के पद पर जेआर सागर ने संजय बुधौलिया को नियुक्त किया था, लेकिन एक लंबे अंतराल में मेडिकल लीव पर जाने पर पुनः आदेश में परिवर्तन किया गया और उपायुक्त सहकारिता छतरपुर डॉक्टर अरुण मसराम को प्रशासक के पद पर नियुक्त किया गया।

लंबे समय से चला आ रहा था सेल्स टैक्स चोरी सरिया का व्यापार, विभाग सालों से था अनजान

रायपुर से छतरपुर लाए गए फर्जी ईबे बिल वाले 50 लाख के सरिया से लदे ट्रक का पर्दाफाश

सटीक मुखबिर की सूचना पर यातायात ट्रैफिक पुलिस ने की बड़ी कर्यवाही

छतरपुर। जिले में सेल्स टैक्स चोरी का एक बड़ा मामला सामने आया है। जिसमें ट्रैफिक पुलिस ने रायपुर से छतरपुर लाए गए लोहे के सरिया से भरे एक ट्रक को मुखबिर की सूचना पर यातायात पुलिस ने पकड़ा है। ट्रक चालक चांद खान के अनुसार, यह ट्रक रायपुर से छतरपुर आया था, और इसे नोगांव रोड स्थित राज धर्मकांटा पर उतारने के लिए कहा गया था।

ट्रैफिक पुलिस ने सटीक मुखबिर की सूचना पर ट्रक क्रमांक यूपी 95 T 3450 को रोका, जिसमें भारी मात्रा में लोहे का सरिया लदा हुआ पाया गया। ट्रैफिक प्रभारी बृहस्पति साकेत ने बताया कि इस कार्यवाही की तैयारी सोशल मीडिया पर फैली जानकारी और पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देश पर की गई थी। इस ट्रक के कागजात जाँचने पर, असिस्टेंट कमिश्नर साकेत सुरेश ने पाया कि ट्रक का ईबे बिल फर्जी है। यह बिल रायपुर से दिल्ली का रूट दिखा रहा था, जबकि ट्रक छतरपुर लाया गया था। इसमें लगभग 50 लाख रुपये मूल्य का सरिया लदा हुआ था, और अनुमानित 6 से 8 लाख रुपये का सेल्स टैक्स चोरी का मामला सामने आया है।

हालांकि, अभी तक कोई व्यापारी सामने नहीं आया है कि यह सरिया किसका है, लेकिन एक व्यापारी नेता लगातार ट्रक को छुड़ाने के प्रयास में ट्रैफिक प्रभारी को फोन कर रहे थे। इस मामले में ट्रैफिक पुलिस और सेल्स टैक्स विभाग की जाँच और आगे की कार्यवाही जारी है। पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने इस तरह की कार्यवाही को भविष्य में भी जारी रखने की बात कही है, ताकि सेल्स टैक्स चोरी पर अंकुश लगाया जा सके।

सफाई मित्रों और स्वच्छता कार्य क्षेत्र से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशाला

लवकुशनगर। नगरपरिषद द्वारा सफाई मित्रो,कचरा बीने वालो एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं पुराने के कचरे के उपचार हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मुख्य नगर पालिका अधिकारी महादेव प्रसाद अवस्थी द्वारा किया गया। इस कार्य हेतु मुख्य प्रशिक्षक के रूप में स्वच्छ भारत अभियान के ब्रांड एम्बेस्डर डी डी तिवारी को आमंत्रित किया गया उन्होने बताया कि सफाई मित्र सुरक्षा उपकरण पहिनकर ही सफाई का कार्य करे इसके लिये नगर पालिका द्वारा उन्हें फिलोरो सेंट जैकिट, मास्क , गल्वज , वर्दी, हैलमेट, का उपयोग करना है तथा नाली में सफाई करते समय गम्बूट का उपयोग करना है स्वच्छता कर्मियो अनौपचारिक कचरा बीनने वालो स्वसहायता समूहों तथा तरल अपशिष्ट प्रबधन में कार्य करने वाले ऑपरेटर्स को नगर पालिका सुरक्षा किट उपलब्ध करायेगी। वे कार्य क्षेत्र में इसका उपयोग अनिवार्य रूप से करे कोई भी सैप्टिक टेंक हाथ से साफ नही किया जावेगा। इसके लिये मशीनीक्रत व्यवस्था नगर परिषद् द्वारा की गई है। प्रत्येक तीन साल में सैप्टिंक टेंक की सफाई करवाना हर भवन स्वामी की जिम्मेदारी है। सफाई मित्रों को केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित तीन योजनाओ का लाभ भी दिया जावेगा। जिन्हें यह लाभ प्राप्त न हुआ हो वह नगर पालिका में आवेदन दे सकते है। इस अवसर पर पिछले माह का पुरस्कार सफाई कर्मी पुष्पा बाल्मिक एवं नीरज वाल्मीकि, रमेश बाल्मिक को देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता निरीक्षक, सफाई दरोगा सत्येन्द्र कुमार त्रिपाठी, नोडल अधिकारी अमितेश अवस्थी उपयंत्री, उपस्थित रहें।

जनसुनवाई में बिना कारणों के अनुपस्थित रहे 8 विभाग प्रमुखों को एसडीएम ने किया कारण बताओ नोटिस जारी

नौगांव। नौगांव एसडीएम विशा माधवानी ने मंगलवार की जनसुनवाई कार्यक्रम में विकासखंड क्षेत्र के विभाग प्रमुखों के अनुपस्थित रहने के मामले को गंभीरता से संज्ञान में लिया है। एसडीएम माधवानी ने अनुविभाग क्षेत्र के अनुपस्थित रहने वाले आठ अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आचार संहिता समाप्त होने के बाद अब विभागीय कार्यो में गति लाने के लिये विभाग प्रमुखों को जिम्मेदार ढंग से कार्यवाही करनी चाहिए। जिससे आमजनता को शासकीय योजनाओं का लाभ मिले। मंगलवार को हुई जनसुनवाई में कुल 12 आवेदन पहुंचे। जिनमें निराकरण के लिये संबंधित विभाग को भेज दिए।

आठ विभागीय अधिकारियों को मिले नोटिस -

तहसील परिसर में हुई जनसुनवाई के दौरान विभाग प्रमुख उपस्थित न होने के कारण एसडीएम विशा माधवानी ने उनको कारण बताओ नोटिस जारी किए कि वह अनुपस्थित क्यों रहे। हालांकि महाराजपुर तहसीलदार अनिल तलैया लेट पहुंचे, लेकिन जनसुनवाई में पहुंच गए इनका नोटिस निरस्त किया गया। इसके अलावा हरपालपुर मंडी सचिव गोरेलाल आदिवासी, नौगांव मंडी सचिव ममता वर्मा, जनसंसाधन एसडीओ लता वर्मा, गढ़ीमलहरा नायब तहसीलदार रितु सिंघई, पशु चिकित्सा अधिकारी मीनाक्षी पटैरिया के अलावा जल निगम डिप्टी मैनेजर, आरआई, सहकारिता निरीक्षक महाराजपुर और नौगांव को अनुपस्थित रहने पर एसडीएम ने नोटिस जारी किए।

बाढ़ राहत बचाव कार्य के लिये हुई बैठक -

एसडीएम के द्वारा बाढ़ राहत बचाव कार्य के लिये विभाग के प्रमुखों की बैठक ली जिसमें आपदा प्रबंधन बरसात के दिनों में बाढ़ नाला उफान की समस्याओं से निपटने के लिए सामंजस्य स्थापित करके बाढ़ आपदा से निपटने के लिये तैयारियां करें। बारिश के दौरान डूबने वाले पुलों पर पुलिस बल के साथ एसडीआरएफ/ एनडीआरएफ ओर होम गार्ड के जवानो को अलर्ट रहने के लिये सूचित करें। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कई विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

पाँच ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार कर निलंबित रहे सचिव के कारनामों की नहीं हो रही जांच

सिगरौली : जनपद पंचायत बैढ़न के ग्राम पंचायत क्षेत्र डिग्घी में पदस्थ विवादापस्त सचिव देवकुमारी शाह के द्वारा किए जा रहे गबन भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच वर्ष 2023 से अभी तक लंबित है गौरतलब है की पंचायत ग्रामीण विकास विभाग की अपर सचिव शोभा निकुंज तथा संचालक पंचायत राज संचनालय भोपाल केदार सिंह के आदेश का भी असर जिला पंचायत तथा जनपद पंचायत के जिम्मेदार अधिकारियों तक नहीं हो पा रहा है।ग्रामीणों ने सचिव देव कुमारी शाह के विरुद्ध गंबन खयानत बिना कार्य कराए राशि अपने स्वयं के फर्म के आहरित किए जाने के गंभीर आरोपों के जांच हेतु भोपाल से दिनांक 6 सितंबर 2023 तथा 30 अक्टूबर 2023 को संचालक डा केदार सिंह रीवा संभाग के आयुक्त को पत्र लिखकर बिंदुवार शिकायत की जांच के लिए संयुक्त आयुक्त रीवा से जांच करवाए जाने हेतु पत्र लिखा उक्त शिकायत के संबंध में जांच का पत्र जिला पंचायत सिंगरौली तथा जनपद पंचायत बैढ़न आया लेकिन सचिव तथा उसके पति के राजनीतिक पकड़ के कारण एक वर्ष से ऊपर व्यतीत हो जाने के बाद भी जांच आज तक नही हो सकी। पुनः ग्रामीण जनों तथा पंचों ने पुनः कलेक्टर महोदय के जन सुनवाई तथा जिला पंचायत तथा जनपद पंचायत के अधिकारियों से मिलकर पुनः आवेदन देकर शिकायत की जांच कराए जाने हेतु अनुरोध किया है लेकिन आज तक उस संबंध में जांच नही की जा रही है।ग्रामीणों ने लिखित आवेदन में बताया की सचिव द्वारा मृत आदिवासी के नाम पर अवैध रूप से राशि आहरण किया गया था जिस पर आपराधिक प्रकरण कायम हुआ था हाईकोर्ट से स्थगन प्राप्त कर नौकरी कर रही है जिसका प्रकरण आज भी चल रहा है वही डिग्घी के पूर्व वह ग्राम पंचायत पौड़ी नौगई में पदस्थ रही थी उनकी नियुक्ति में भारी अनिमियता हुई थी जिसकी जांच भी चल रही है तथा भ्रष्टाचार के कारण वह पोड़ी नौगई, करकोशा, देवरी ,गड़ेरिया,चिनगी टोला में पदस्थ रही थी उन सभी पंचायतों में भारी भ्रष्टाचार गबन के आरोपों के कारण निलंबित रही है वर्तमान में डिग्घी पंचायत में इनके द्वारा कई निर्माण कार्य घटिया रूप से करवाए गए है जिसमे कई कार्य कार्य स्थल पर नहीं पाए गए जबकि राशि आहरित कर ली गई है इतना ही नहीं इनके द्वारा अपना सारा कार्य पंचायत तथा जिला जनपद में अपने पति से करवाया जाता है पंचायत भवन तथा छेत्र में कभी नही जाती है अधिकारियों के जाने पर उनका कार्य उनके पति करते है अपने राजनीतिक पकड़ के कारण उनके द्वारा कई भ्रष्टाचार तथा मनमानी की जा रही है ग्रामीणों ने मध्य प्रदेश सरकार तथा जिला कलेक्टर सिंगरौली जिला पंचायत सिंगरौली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मांग किया है की सचिव को तत्काल डिग्गी पंचायत से हटाकर उनके विरुद्ध ग्रामीणों के शिकायत की बिंदूवार जांच कराकर निलंबित किया जाय ग्रामीणों ने कहा है की अगर 15 दिन के अंदर कार्यवाही नही हुई तो हम सब ग्रामवासी जनपद पंचायत का घेराव करेंगे।

ग्रामीणों के आरोप : बजट ठिकाने लगाने पंचायतों में 3.77 करोड़ की लागत से बनाए गए सेग्रिगेशन शेड

नौगांव। नौगांव जनपद पंचायत के अधिकारियों ने ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव की मिलीभगत से 3 करोड़ 77 लाख रूपये से अधिक के बजट को ठिकाने लगाते हुए स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सेग्रिगेशन कचरा घर का निर्माण तो करा दिया है, लेकिन इनके निर्माण से पहले इनके उपयोग एवं क्रियान्वन को लेकर कोई कार्ययोजना तैयार नहीं की जिसके चलते राशि खर्च होने के बाद सेग्रिगेशन तो बन गए लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में आज भी गंदगी फैली है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत शहरी क्षेत्रों में ट्रेंचिंग ग्राउंड पर कचरे के निपटान की व्यवस्था की गई है। इसी तर्ज कर शासन ने ग्राम पंचायतों में भी इस व्यवस्था को शुरू करने की कवायद की है। नौगांव जनपद की 27 बड़ी पंचायतों में कचरे के उचित निपटान के लिए सेग्रिगेशन शेड स्वीकृत किए गए। जिनमें से अधिकांश ग्राम पंचायतों में तो शेड बन कर तैयार हो गए हैं तो कुछ पंचायतों में भुगतान होने के बाद आज भी अधूरे पड़े हैं साथ ही कुछ पंचायतों में कार्य प्रगति पर है। जनपद के अधिकारियों ने संबंधित पंचायतों को नोटिस भी जारी हुए लेकिन इसके बावजूद भी इन पंचायतों ने काम पूरा नहीं कराया है। ग्राम पंचायतों में बने यह सेग्रिगेशन शेड स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, 15वें वित्त सहित शासन की मदों के तहत बनाए गए हैं। पंचायतों में बन रहे शेड सबसे कम सहानियां पंचायत में लाख 76 हजार एवं सबसे अधिक सिंगरावनकला में 13 लाख 30 हजार के बनाए गए हैं। साथ ही अलीपुरा पंचायत में 11 लाख 90 हजार, गरौंली में 10 लाख 25 हजार, मऊसहानिया में 10 लाख 25 हजार, बेदार में 11 लाख 90 हजार, दिलनिया में 5 लाख 87 हजार, मनकारी 11 लाख 90 हजार, मऊपुर 5 लाख 87 हजार, सैला 5 लाख 84 हजार, खिरी 11 लाख 90 हजार, ऊजरा 11 लाख 90 हजार, उर्दमऊ 11 लाख 90 हजार, ढिगपुरा 7 लाख 50 हजार, बड़ागांव 11 लाख 90 हजार, दौरिया 11 लाख 90 हजार, नैंगुवा 11 लाख 90 हजार, करारागंज 11 लाख 90 हजार, बिकौरा 5 लाख 84 हजार, सिंहपुर 11 लाख 90 हजार, टटम 10 लाख 25 हजार, खिरवा 5 लाख 84 हजार, अलीपुरा 11 लाख 90 हजार, चिरवारी 11लाख 90 हजार, सरसेड 7 लाख 50 हजार, इमलिया 11 लाख 90 हजार, लुगासी 10 लाख, झींझन 13 लाख 04 हजार की लागत से सेग्रिगेशन बन गए हैं या बनाए जा रहे हैं। जिसमें 27 पंचायतों में 3 करोड़ 77 लाख 91 हजार राशि खर्च होने के बाद भी शासन के उद्देश्यों की पूर्ति नहीं हो रही है, जिसके चलते गांव में जगह जगह पर गंदगी के ढेर देखे जा सकते हैं, गांव में सेग्रिगेशन होने के बावजूद जनपद एवं जिला के अधिकारी इसका उपयोग शुरू नहीं करा पा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ बनाने की मुहिम पूरी नहीं हो रही है और पंचायतें गंदगी से पटी पड़ी हैं।

केस 1-

ग्राम पंचायत करारागंज में बना सेग्रिगेशन बना आवारा पशुओं का आशियाना -

ग्राम पंचायत करारंगंज में 11 लाख 90 हजार की राशि से सेग्रिगेशन शेड का निर्माण किया गया है। सेग्रिगेशन निर्माण के बाद से आज तक स्थिति जस की तस है गांव में गंदगी फैली है, हां सेग्रिगेशन शेड में कचरा प्रबंधन का कार्य न होकर आवारा पशुओं के लिए ठिकाना जरूर हो गया है।

केस 2 -

ग्राम पंचायत गरौंली में स्टीमेट के अनुसार नहीं हुआ निर्माण, अधूरा छोड़कर कर दिया भुगतान-

गरौंली में 10 लाख 25 हजार की राशि से सेग्रिगेशन शेड बनाया गया है। पंचायत के सरपंच एवं सचिव ने अधिकारियों की मिलीभगत से सेग्रिगेशन शेड में स्टीमेट अनुसार कार्य न कर अपनी मनमर्जी से कार्य को पूरा दिखा दिया, जबकि मौके पर सेग्रिगेशन शेड में जमीन पर ने तो प्लास्टर हुआ है, न ही मानक अनुसार जाली लगाई गई और न ही दरवाजे लगाए गए इसके बावजूद पंचायत ने अधूरे कार्य को पूरा दिखाकर भुगतान कर दिया।

केस 3 -

ग्राम पंचायत में लुगासी पंचायत में अभी चल रहा कार्य -

लुगासी पंचायत के रखवारा गांव में 10 लाख रुपए की राशि खर्च करके सेग्रिगेशन शेड का निर्माण किया जा रहा है, निर्माण कार्य शुरू हुए एक वर्ष से अधिक का समय हो जाने के बावजूद भी कार्य पूरा नहीं हो सका।

कचरे को अलग कर नष्ट करने व खाद बनाने की योजना -

47 ग्राम पंचायतों में जो सेग्रिगेशन शेड बनाए जा रहे हैं, उनमें कचरा एकत्रित करने के बाद गीले कचरे सूखे कचरे को अलग-अलग किए जाने की योजना है। इसको अभी तो अलग अलग करके निस्तारित किया जाएगा, लेकिन भविष्य में गीले कचरे से खाद बनाकर उससे आय अर्जित की जा सकती है। सूखे कचरे का निपटान करने की योजना योजना के तहत इससे ईंट बनाकर उससे भी ग्राम पंचायत राशि अर्जित कर सकती है।

इनका कहना है -

पंचायतों में बने सेग्रिगेशन शेड में कचरा प्रबंधन के लिए शासन से कोई राशि नहीं है, इसलिए शासन के निर्देश पर स्व सहायता समूह को जोड़कर सेग्रिगेशन में कचरा छांटकर खाद बनाने का कार्य किया जाएगा, जिससे स्व सहायता समूह को रोजगार मिलेगा और पंचायत की आमदनी में भी वृद्धि होगी।

प्रवीण तिवारी
प्रभारी
स्वच्छ भारत मिशन, जनपद पंचायत नौगांव

खबर संक्षेप

दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) के तहत स्वरोजगार कार्यक्रम

रीवा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा शहरी गरीब परिवारों को स्वरोजगार स्थापित करने में सहायता के लिए दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) के तहत स्वरोजगार कार्यक्रम शुरू है। इस कार्यक्रम के तहत व्यक्तिगत ऋण 2 लाख रू. तक और समूह ऋण 10 लाख रू. तक प्रदान किए जाएंगे। ऋण पर 7 प्रतिशत से अधिक ब्याज दर की छूट है एवं स्व-सहायता समूहों को नियमित ऋण भुगतान पर 3 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान भी मिलेगा। योजना हेतु पात्रता शहरी गरीब परिवार, आयु सीमा न्यूनतम 18 वर्ष होना चाहिए। योजना से लाभ स्वरोजगार स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता, कौशल प्रशिक्षण और मार्गदर्शन एवं बाजार संपर्क और विपणन सहायता प्राप्त होंगे। पात्र आवेदक, आवेदन पत्र नगर पालिक निगम रीवा के कक्ष क्र. 28, 29 से प्राप्त कर आवेदन कर सकते है। यह कार्यक्रम शहरी गरीब परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

हनुमना में आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम का शुभारंभ

मऊगंज। जिले में आकांक्षी कार्यक्रम का हनुमना विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम का कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव के मुख्य अतिथि में शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के तहत जनपद हनुमना में आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम के लक्षित संकेत को संतृप्त करने के लिए नीति आयोग द्वारा संपूर्णता अभियान जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक संचालित किया जा रहा है। संपूर्णता अभियान के तहत राज्य शासन द्वारा विकास कार्यों के अनुसरण के लिए स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा और कृषि और सेवाएं सामाजिक और वित्तीय समावेशन, अधोसंरचना ग्रामीण एवं शहरी कौशल विकास और रोजगार क्षेत्र का निर्धारण किया गया है। कलेक्टर ने बताया कि कार्य योजना को मूर्त रूप देने के लिए 3 महीने का समय निर्धारित किया गया है लेकिन आप सभी एकजुट होकर कार्य में इस कदर लग जाए की जुलाई से ही सभी डाटा पूर्ण कर लिए जाएं। कलेक्टर ने कहा की सभी को करनी होगी मेहनत, हमारा उद्देश्य मऊगंज जिले के हनुमना विकासखंड को प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाना है और यह सब आपकी कार्य के प्रति लगन और मेहनत से ही संभव होगा। इस अवसर पर एसडीएम हनुमना राजेश मेहता सीईओ ए0बी0खरे सहित दिल्ली से आई टीम के अलावा राजस्व,जनपद, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला बाल विकास आदि विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

ममेरे भाई के प्रेम जाल में फंसकर किशोरी ने खाया जहर,

पुलिस के माध्यम से भेजा गया अस्पताल गर्भवती नाबालिक की हालत गंभीर

रीवा। जिले के जवा थाना क्षेत्र की एक नाबालिक किशोरी अपने ही घर में दुष्कर्म का शिकार हो गई , ममेरे भाई ने पहले उसे अपने प्रेम जाल में फसाया और इसके बाद उसकी अस्मत लूट ली, इस बात का खुलासा उस वक्त हुआ जब किशोरी अपने मामा के ही गांव में सड़क किनारे जहर खाकर जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही थी स्थानीय पुलिस के द्वारा उसे संजय गांधी अस्पताल भेजा गया है,पीड़ित किशोरी की मां ने बताया कि 16 वर्षीय किशोरी अपने मामा के यहां मुकुंदपुर आया जाया करती थी जहां ममेरे भाई के द्वारा उसके साथ अवैध संबंध बनाए गए गुरुवार को पीड़िता की मां को पुलिस के माध्यम से सूचना मिली कि उसकी बेटी की हालत गंभीर है और वह सड़क किनारे पड़ी मिली है मिली जानकारी के अनुसार प्रेमी के द्वारा रिश्ते से इनकार किए जाने के बाद किशोरी ने यह बड़ा कदम उठाया किशोरी को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है। पूरे मामले की पुलिस गंभीरता से जॉच कर रही है।

गत परीक्षा के कम प्रतिशत परिणाम वाले विद्यालयों के प्राचार्य होंगे निलंबित

चालू शैक्षणिक सत्र में हायर सेकेण्डरी व हाई स्कूल के परीक्षा परिणाम को 70 प्रतिशत प्राप्त करने का लक्ष्य लें: कलेक्टर

बीईओ की वेतन वृद्धि रूकेगी कलेक्टर ने स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक में परीक्षा परिणामों की समीक्षा की

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने स्कूल शिक्षा विभाग की बैठक में परीक्षा परिणामों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि चालू शैक्षणिक सत्र में जिले में हायर सेकेण्डरी व हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम 70 प्रतिशत से कम न हो इसलिए सभी प्राचार्य कार्य योजनानुसार अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालय समय पर संचालित हों, शिक्षक नियमित कक्षाएँ लें तथा छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति हो। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि जिन विद्यालयों के परीक्षा परिणाम कम आये हैं वहां कक्षाओं का सही ढंग से संचालन हो। शिक्षक व्यक्तिशः विद्यार्थियों से संवाद व संपर्क करें तथा उसकी समस्या दूर करते हुए बेहतर परिणाम के लिये तत्पर रहें। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिये कि अतिथि शिक्षकों की नियमानुसार नियुक्ति करें तथा योग्य शिक्षक रखें इसमें किसी भी प्रकार की शिकायत या लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। कलेक्टर ने गत परीक्षा परिणाम की समीक्षा के दौरान जिले का हायर सेकेण्डरी व हाई स्कूल का रिजल्ट प्रदेश के औसत रिजल्ट से भी कम रहने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा 10 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले 6 विद्यालयों के प्राचार्यों को निलंबित करने तथा गंगेव, सिरमौर, त्योंथर एवं जवा के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकने का प्रस्ताव कमिश्नर रीवा को प्रेषित किये जाने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिये तथा कम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों में अतिथि शिक्षकों को पुर्ननियुक्ति न दी जाय। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत से अधिक रिजल्ट वाले विद्यालयों के प्राचार्यों को स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने अच्छे परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों के प्राचार्यों के अनुभव व कार्ययोजना को कम परिणाम वाले विद्यालयों से संवाद कराकर प्रेरित किये जाने हेतु कार्यक्रम आयोजन के भी निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिये। कलेक्टर ने वर्ष 2022-23 व 2023-24 की छात्रवृत्ति का शत प्रतिशत वितरण आगामी 30 दिनों में किये जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने इस हेतु स्कूल में आधार कैंप लगाने की भी बात कही तथा प्राचार्यों को निर्देश दिये कि विद्यार्थियों को बैंक से संबंधित सभी डिटेल बतायें तथा केवायसी करायें ताकि संबंधित को छात्रवृत्ति अनिवार्यतः मिल सके। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. सौरभ सोनवणे ने आगामी तीन दिन में शत प्रतिशत पाठपुस्तकें विद्यार्थियों को वितरित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने 15 जुलाई तक विद्यालयों में वृक्षारोपण किये जाने तथा पर्यटन क्विज में अधिक से अधिक छात्रों की भागादारी सुनिश्चित कराने हेतु निर्देशित किया।

टीआरएस कॉलेज कॉलेज के एमएसडब्ल्यू विभाग के जूनियर छात्रों द्वारा सीनियर छात्रों की विदाई

विदाई के रंग: एमएसडब्ल्यू के छात्रों के लिए यादगार फेयरवेल पार्टी

रीवा। टी.आर.एस. कॉलेज कॉलेज के एमएसडब्ल्यू विभाग के जूनियर छात्रों द्वारा सीनियर छात्रों की विदाई के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। फेयरवेल पार्टी का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने मां सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया। फेयरवेल पार्टी हर्ष और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियाँ दीं, जिसमें नृत्य और गायन का विशेष प्रदर्शन किया गया। इस दौरान एम.एस.डब्ल्यू. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों का सम्मान किया और उज्जवल भविष्य की कामना कर विदाई दी। प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भविष्य में कुछ नया करके आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने छात्रों को उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए प्रोत्साहित किया कि जीवन में अनुशासन व नियमितता होना जरूरी है। समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश शुक्ल ने कहा कि महाविद्यालय छात्रों को अध्ययन के साथ-साथ जीवन जीने की कला सिखाता है। इन सभी विधाओं के साथ अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए। महाविद्यालय की यादों को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपनी मंजिल प्राप्त करना भी सुखद पल होते हैं, जो जीवन भर यादों के रूप में साथ रहते हैं। मिस फेयरवेल रागिनी पाण्डेय तथा मिस्टर फेयरवेल अर्जुन मिश्रा

विभिन्न प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को द्वितीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। मिस फेयरवेल रागिनी पाण्डेय, मिस्टर फेयरवेल अर्जुन मिश्रा, बेस्ट स्माइल स्वपनिल द्विवेदी, बेस्ट कास्ट्यूम प्रियंका शुक्ला, वेस्ट परफारमेंस प्राची मिश्रा, बेस्ट सिंसयर्टी मेल सुभाष यादव, बेस्ट सिंसयर्टी फीमेल सची शुक्ला तथा लुक आफ द ईव रूचि सिंह को चयनित किया गया। छात्रों ने भी अपने कॉलेज के दिनों की यादें साझा कीं और प्राध्यापको का धन्यवाद किया। समारोह के अंत में सभी ने मिलकर स्वल्पाहार का आनंद लिया और समूह फोटो खिंचवाए। यह फेयरवेल पार्टी छात्रों के लिए एक यादगार अनुभव रही और उन्होंने अपनी नई यात्रा की शुरुआत के लिए आशीर्वाद और शुभकामनाएँ प्राप्त कीं। कार्यक्रम का संचालन के पल्लवी सिंह करचूली तथा अर्चिता द्विवेदी के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में डॉ. महेश शुक्ला, डॉ. अच्युत पांडे, डॉ संध्या शुक्ल, डॉ. संजय शंकर मिश्रा, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. एस.पी. शुक्ला, डॉ प्रीति पांडे, डॉ. शाहिदा सिद्दीकी, डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव, डॉ. गुंजन सिंह, डॉ. प्रियंका तिवारी, डॉ मोहम्मद परवेज, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ प्रियंका पांडे डॉ. निशा सिंह, की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अमन पाण्डेय, सुरभि गुप्ता, सुरभि शर्मा, रूपाली, प्राची, साक्षी शुक्ला, आशीष, दिनेश प्रजापति, साहिब, जनक नंदिनी, हिमानी, शीतल, कोमल, शिखा, ऋषिका का योगदान सराहनीय रहा।

विशेष शिविरों में चिन्हित सभी रोगियों के उपचार का फॉलोअप करें: कलेक्टर

कलेक्टर ने स्वस्थ रीवा-समृद्ध रीवा अभियान की समीक्षा की

रीवा। उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल की विशेष पहल पर जिले भर में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कुल 50214 व्यक्तियों के स्वास्थ्य की जाँच की गई। जिसमें 20650 पुरूष तथा 29564 महिलाएं शामिल थीं। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि स्वास्थ्य शिविरों में चिन्हित सभी रोगियों को समुचित उपचार की व्यवस्था करें साथ ही इसका लगातार फॉलोअप करें। शिविर में सीवियर एनीमिया, हृदय रोग, डायबिटीज तथा किडनी के रोगों से पीड़ितों की जाँच की गई थी। इनमें सीवियर एनीमिया से 479, माड्रेट एनीमिया 2356, डायबिटीज से 1591, हाइपर कोलेस्ट्रीनिया से 2336, किडनी रोगों से 2492 तथा विटामिन डी की कमी से 17576 पीड़ित पाए गए। कलेक्टर ने कहा कि इन सभी रोगियों को शिविर के बाद जिला तथा विकासखण्ड स्तर पर उपचार की सुविधा दी गई थी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इनका फॉलोअप लेकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। विशेष शिविरों में 28085 व्यक्ति विभिन्न रोगों से पीड़ित तथा विटामिन डी एवं थायराइड की कमी वाले पाए गए थे। इन सबकी फॉलोअप रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसी तरह वृहद कैंसर शिविर में रीवा जिले के 40 संभावित कैंसर रोगी पाए गए थे। इनमें से 23 स्तन कैंसर तथा 17 मुख कैंसर से पीड़ित थे। इनमें से 17 का भी विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। शेष रोगियों के संबंध में भी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। स्वास्थ्य शिविर से बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हुए हैं। इन शिविरों के पुनः आयोजन की भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तैयारियाँ कर लें। बैठक में डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि वृहद जाँच शिविर में चिन्हित रोगियों को समुचित उपचार दिया जा रहा है। सीवियर एनीमिया से पीड़ित 479 में से 215 व्यक्ति उपचार के बाद सामान्य हो गए हैं। शेष को उपचार सहायता दी जा रही है। माइल्ड एनीमिया से 9494 व्यक्ति पीड़ित थे। जिन्हें आवश्यक दवाएं तथा पोषक आहार देने के बाद 4688 सामान्य हो गए हैं। इनमें से 3634 को दवाएं दी जा रही हैं। विटामिन डी की कमी के 17576 रोगियों में से आवश्यक उपचार के बाद 7869 सामान्य हो गए हैं। अभी 7578 को दवाएं दी जा रही हैं। इसी तरह अन्य रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को भी निरंतर उपचार सहायता देकर उनकी सतत निगरानी की जा रही है। कैंसर शिविर में चिन्हित 12 रोगी अब सामान्य हो गए हैं तथा 17 का विभिन्न अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है। बैठक में डॉ सुनील अग्निहोत्री ने स्वास्थ्य शिविर में जाँच तथा उपचार की विकासखण्डवार जानकारी दी। बैठक में डॉ नीरा मराठी, मेडिकल आफीसर डॉ अतुल तिवारी एवं सभी बीएमओ उपस्थित रहे।

नैकहाई पार्क में निर्माण पूरा कर पौधे रोपित कराएं: कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने निर्माणाधीन नैकहाई पार्क का आकस्मिक निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी को निर्देश देते हुए कलेक्टर ने कहा कि यह पार्क रीवा के इतिहास से जुड़ा हुआ है। इसमें कई प्राचीन स्मारक हैं। पार्क की साफ-सफाई कराकर यहाँ पौधे रोपित कराएं। पार्क की बाउन्ड्रीवॉल, प्रवेश द्वार, वाहनों की पार्किंग आदि का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराएं। पार्किंग के लिए जाने वाली सड़क का सीमांकन कराकर उसमें सुधार कराएं। पार्क में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करें। दोनों प्रवेश द्वारों पर आकर्षक गेट लगाएं। मौके पर उपस्थित कार्यपालन यंत्री हाउसिंग बोर्ड अनुज प्रताप सिंह ने बताया कि बाउन्ड्रीवाल और गेट का निर्माण पूरा हो गया है। शीघ्र ही लोहे के गेट लगा दिए जाएंगे। वृक्षारोपण की तैयारी कर ली गई है। जल निकासी की भी समुचित व्यवस्था की जा रही है। निरीक्षण के समय सहायक यंत्री हिमांशु वर्मा एवं हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

परिवहन विभाग ने नियम विरुद्ध संचालित सात स्कूल बसों पर की चालानी कार्यवाही

रीवा। परिवहन विभाग के द्वारा जारी स्कूल बस चेकिंग अभियान में सात बसो पर चालानी कार्यवाही की गई। जिसमे इंडिगो स्कूल वनस्थली स्कूल डी पाल स्कूल और सत्य अकैडमी शामिल है वनस्थली की दो बसों को,जिन्हें इसके पहले जाँच के दौरान स्कूल परिषर में ही जाकर बस पर कमी पाये जाने के कारण जप्त किया गया था, उन बसों को गुरुवार को विद्यालय द्वारा सुधार करा लिया गया अतः उन बड़ी को रिलीज किया गया। वही सत्य अकैडमी की एक बस डी पाल की दो बसे इंडिगो स्कूल की दो बसो पर मोटरयान अधिनियम के अनुरूप कमी पाये जाने के कारण चालानी कार्यवाही की गई।इसके पहले भी लगातार परिवहन विभाग द्वारा कलेक्टर रीवा के आदेशानुसार स्कूल बसों पर जांच अभियान चलाया जा रहा है जिसमें अब तक 35 स्कूल बसों पर चालानी कार्यवाही कर 26 स्कूल बसों को जप्त किया जा चुका है। चालानी कार्यवाही से अब तक बसों पर 34500 रुपयों का राजस्व अर्जित किया गया है। शासन की मंशानुशार बच्चों के सुरक्षित परिवहन के लिए परिवहन विभाग द्वारा हर दिन किसी न किसी स्कूल में जाकर बसों की चेकिंग की जा रही है और आगे भी जारी रहेगी।

जल भराव की स्थिति निर्मित न हो, इस विषय को गंभीरता से लिया जाये: कलेक्टर

टीएल बैठक में अनुपस्थित पीएचई, स्वास्थ्य जैसे विभाग के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

मऊगंज। कलेक्टर अजय श्रीवास्तव की अध्यक्षता में 3 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभागार मऊगंज में टीएल बैठक आयोजित की गई। आयोजित टीएल बैठक में विभागीय अधिकारी अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित हुए वहीं पीएचई, स्वास्थ्य जैसे कई विभागों के अधिकारी अनुपस्थित रहे। टीएल बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को कलेक्टर श्रीवास्तव द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक दौरान कलेक्टर श्रीवास्तव ने बताया कि मऊगंज जिले का हनुमना विकासखंड को आकांक्षी विकासखंड के रूप में चयनित किया गया है। उन्होंने बताया कि आकांक्षी योजना में उन विकास खण्डों एवं जिलों को लिया गया है, जो विकास कार्य में पीछे हैं। सर्वेक्षण के अनुसार हनुमना विकासखंड में निर्धारित मापदंडों एवं संयुक्त सूचकांक को आधार मानते हुए समावेशी विकास हेतु विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। चयनित आकांक्षी विकासखंड के अपेक्षाकृत कमजोर स्वास्थ्य और पोषण शिक्षा की स्थिति, रहवासियों की आर्थिक स्थिति तथा पर्याप्त आधारभूत संरचना को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के अंतर्गत संकेतकों पर आधारित क्षेत्रक सूचकांक एवं संयुक्त सूचकांक तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि आकाक्षी विकासखंड कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार द्वारा सामाजिक आर्थिक विकास हेतु क्रियान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विकास लक्ष्य को प्राप्त करना है। राज्य शासन द्वारा विकासखंड के अनुश्रवण हेतु स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और सहयोगी सेवाएं सामाजिक और वित्तीय समावेशन अधोसंरचना ग्रामीण एवं शहरी कौशल विकास एवं रोजगार क्षेत्रकों का निर्धारण किया गया है। कलेक्टर श्रीवास्तव द्वारा बताया गया कि युक्त आकांक्षी योजना को मूर्त रूप देने के लिए 4 जुलाई को हनुमना में शुभारंभ कार्यक्रम रखा गया है जिसमें दिल्ली की टीम आएगी। योजना का शुभारंभ 4 जुलाई होगा और 6 माह तक चलेगा। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने आकांक्षी योजना के शुभारंभ अवसर पर हनुमना विकासखंड के सभी विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। आयोजित टीएल बैठक दौरान कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने कहा कि 5 जुलाई को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की किस्त डाली जाएगी इसके साथ उज्जवला योजना अनुदान एवं लाडली बहना योजना की राशि डाली जाएगी। जिस विषय को लेकर मऊगंज कलेक्ट्रेट सभागार के साथ जिले के सभी विकासखंड स्तर पर कार्यक्रम होंगे। कलेक्टर श्रीवास्तव ने बारिश को ध्यान में रखते हुए बैठक में उपस्थित जिले के तीनों नगर परिषदों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कहीं भी जल भराव की स्थिति निर्मित न बने इस विषय को गंभीरता से लिया जाए। ग्रामीण क्षेत्र में सभी जनपद सीईओ भी ध्यान रखेंगे। उन्होंने सभी विकास खण्डों में कंट्रोल रूम की स्थापना करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश का दौर प्रारंभ हो गया है पेयजल प्रदूषण से बचाव हेतु समय-समय पर लाल दवा आदि कुआं एवं ट्यूवेलों में डाला जाय। उन्होंने संबंधी क्षेत्र के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की प्राकृतिक दुर्घटना घटने पर जिम्मेदार अधिकारी समय पर पहुंचे। इस दौरान कलेक्टर श्रीवास्तव द्वारा सीएम राइज विद्यालयों के भवन निर्माण की जानकारी ली गई और संबंधी विभाग के अधिकारियों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा के अंदर भवन निर्माण कार्य पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए गए। आयोजित बैठक दौरान कलेक्टर श्रीवास्तव द्वारा पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिए गए की मऊगंज सीतापुर मार्ग पर बरहटा गांव के पास जल भराव की स्थिति निर्मित है जहां पानी निकासी की बेहतर व्यवस्था बनाकर निर्माण कराया जाए, जिससे पानी निकासी की बेहतर व्यवस्था बनी रहे। कृषि विभाग के एसडीओ को निर्देश दिए गए की किसानों को आवश्यकता अनुसार खाद बीज उपलब्ध कराई जाए। खाद का स्टॉक इतना बनाकर रखा जाए कि किसानों को खाद के लिए परेशानी ना हो। कलेक्टर श्रीवास्तव ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की किसानों को श्री अन्न की खेती करने के लिए प्रेरित किया जाए। किसानों को इस आशय के साथ प्रेषित किया जाए की मोटे अनाज को कम पानी की आवश्यकता होती है, और लाभ भी ज्यादा है। वहीं अन्य अनाजों की तुलना में कोदो, कुटकी, मक्का जैसे अनाज स्वास्थ्य के लिए भी अधिक लाभदायक है। आयोजित टीएल बैठक दौरान कलेक्टर श्रीवास्तव ने बताया कि जिले के खुझबा सुखदेव सिंह नामक गांव में मुनगा जैसे अति उपयोगी पौधे की खेती की कार्य योजना बनाई गई है। आप सभी अपने-अपने क्षेत्र में मुनगा के ज्यादा से ज्यादा पौधों को रोपने हेतु क्षेत्र के किसानों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि बारिश का दौर प्रारंभ हो गया है सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वृक्षारोपण हेतु स्थान चिन्हित कर ले। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव द्वारा वृक्षारोपण हेतु कार्य योजना तैयार करने के साथ-साथ रोपे जाने वाले पौधों की सुरक्षा व्यवस्था बनाए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक दौरान वृक्षारोपण हेतु पौधों की उपलब्धता हेतु वन विभाग के अधिकारियों से विस्तृत में चर्चा की गई। साथ ही इस विषय की भी चर्चा की गई की सबसे पहले वृक्षारोपण किन स्थानों पर किया जाय। कलेक्टर श्रीवास्तव द्वारा वृक्षारोपण हेतु स्थान निर्धारण करने के लिये निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीवास्तव ने कहा कि सड़क से गौ माता को घर ले जाना अभियान को सफल बनाने के लिए सभी सरपंच,सचिव ,रोजगार सहायक एवं पटवारी गांव के सेवाभावी लोगों से मिले और उन्हें प्रेरित करें कि यदि आप अपने घर में दो की संख्या में गोवंश पाल रखे हैं तो उसी के साथ अपनी स्वेच्छा से सड़क पर विचरण करने वाले निराश्रित पशुओं को भी अपने घर ले आवे। निराश्रित पशुओं को स्वेच्छा से पालन पोषण करने वाले सेवाभावी पशुपालकों की सूची बनाने एवं सड़क एवं गांव में विचरण करने वाले निराश्रित पशुओं को पशुपालकों तक पहुचाने की व्यवस्था बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेरा पहला उद्देश्य मऊगंज जिले के तीनों नगर परिषद क्षेत्रों के साथ नईगढ़ी विकासखंड के ग्राम जमुहरा को निराश्रित गोवंश मुक्त करना है। जिसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी निराश्रित गोवंश मुक्त गांव एवं ग्राम पंचायत बनाने में प्रयास है। जिसको लेकर मुहिम चलाई जाएगी। उन्होंने सभी विभाग के जिम्मेदारों को 1 वर्षीय एवं 5 वर्षीय काम करने की कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए । आयोजित टीएल बैठक दौरान कलेक्टर श्रीवास्तव द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकानों आंगनबाड़ी केंद्रों मध्यान भोजन स्कूल आदि के अनवरत निरीक्षण के निर्देश दिए गए। राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भूमि आवंटन संबंधी कार्य को गंभीरता के साथ करना सुनिश्चित किया जाए। आयोजित बैठक दौरान सभी विभाग के जिम्मेदारों को निर्देश दिए गए कि जिस विभाग के जितने रिक्त पद हैं उसकी जानकारी अपने वरिष्ठ कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें। वहीं बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए की ऐसी व्यवस्था बनाई जाए की जमीन पर करंट ना उतरे जिससे दुर्घटना से बचा जा सके साथ ही यह भी निर्देश दिए गए की ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि कम से कम समय तक के लिए विद्युत कटौती की जाए। उन्होंने कहा कि नया कानून 1 जुलाई से लागू हो गया है सभी को नए कानून की जानकारी होना जरूरी है। बैठक दौरान कलेक्टर श्रीवास्तव द्वारा सभी विभाग के अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को निराकृत करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ डॉ सौरभ सोनवड़े द्वारा योजनाओं की विस्तृत में जानकारी दी गई और उपस्थित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। आयोजित टीएल बैठक में मुख्य रूप से अपर कलेक्टर अशोक कुमार ओहरी डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी एसडीएम मऊगंज बीपी पांडेय एसडीएम हनुमना राजेश मेहता सभी जनपद सीईओ मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं पीडब्ल्यूडी बैंक आजीविका मिशन कृषि सहकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।